the panel irrespective of the number of "outstanding" or "very good" officers in the general category.

मैसर्स नालीकूल प्राइवेट लिमिटेड, हुबली, कलकत्ता द्वारा आयकर की अदायगी

3327. **श्री हुकम चन्द कछवाय :** क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को मसर्स नालीकूल प्राइवेट लिमिटेड, हुगली, मुख्यालय–2, इंडिया एक्सचेंज प्लेस, कलकत्ता, के विरुद्ध अनियमितताओं के बारे में कुछ शिकायतें प्राप्त हुई हैं ;

(ख) यदि हां, तो किस प्रकार की शिकायतें मिली हैं और उन पर सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की गई है ;

(ग) क्या यह सच है कि इस कम्पनी के मालिकों ने हाल ही में कम्पनी के बहुत से दस्तावेज अथवा लेखा-पुस्तकें जला दी थी ;

(घ) यदि हां, तो इसके मुख्य कारण क्या हैं ; और

(ङ) इस कम्पनी के चालू होने से अब तक, इसके शेयरधारियों तथा मालिकों ने वर्ष-वार कितनी राशि का आय-कर अदा किया और इस खाते में उनके द्वारा अभी तक कितनी राशि देय है तथा उसे वसूल करने के लिए सरकार क्या कार्यवाही कर रही है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जुलफिकार उल्ला) :(क) जी, हां ।

(ख) शिकायतों में, अन्य बातों के साथ-साथ विभिन्न तरीकों से आय-कर की चोरी किये जाने का आरोप लगाया गया है ।

आय-कर प्राधिकारियों द्वारा नवम्बर, 1977 में, मैसर्स नालीकूल (प्रा०) लि० के कारखाने तथा मुख्य कार्यालय का, प्रबन्ध निदेशक, श्री के० भुटेरिया, भूतपूर्व सचिव श्री ए० सी भुटेरिया के कार्यालय तथा निवास स्थानों के परिसरों की और निदेशक श्री एस० बी० सिंह डूगर, के निवास स्थान की भी तलाशी लेने तथा अभिग्रहण की कार्यवाही की गई है ।

इस कार्यवाही के परिणामत: 1.8 लाख रुपये की नकदी के अतिरिक्त बहुत बड़ी संख्या में लेखा पुस्तकें, दस्तावेज भी पकड़े गये हैं । छः लाकर भी सील कर दिए गए हैं ।

(ग) तथा (घ). मैसर्स नालीकूल (प्रा०) लिमिटेड के कारखाना-परिसरों की तलाशी के दौरान, कम्पनी के रोकड़िया ने कहा कि मुख्य कार्यालय के अनुदेशों के अधीन कुछ लेखा-पुस्तकें जला दी गई थीं । किन्तु, श्री ए० सी० भुटेरिया ने इस प्रकार के अनुदेश जारी किये जाने से इन्कार किया । मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है ।

(ङ) एक विवरण-पत्र संलग्न है, जिसमें इस समय उपलब्ध सूचना दी गई है ।

विवरण

मैसर्स नालीकूल (प्रा०) लिमिटेड के 7,500 शेयरों में से 7,150 शेयर श्री के० भुटेरिया, श्री ए० सी० भुटेरिया तथा श्री एन० राम० गांधी के हैं । उनके सम्बन्ध में कर-निर्धारण वर्ष 1961-62 के लिए तथा उससे बाद के वर्षों के लिए मांगी गई सूचना निम्नानुसार है :—

(i) श्री के० भुटेरिया

कर-निर्धारण वर्ष	अदा की गई मांग (रु०)	बकाया पड़ी रकम (रु०)
1961–62	12522	कुछ नहीं
1962–63	6871	
1963–64	7698	
1964–65	6473	
1965–66	7986	
1966–67	7166	
1967–68	7771	
1968–69	8492	
1969–70	27143	
1970–71	24982	
1971–72	19547	
1972–73	30438	
1973–74	24183	
1974–75	27772	
1975–76	24269	
1976–77 अदा किया गया अग्रिम कर तथा कर की स्रोत पर की गई कटौती	29050	—

(ii) श्री ए० सी० भुटेरिया

1961–62	1590	कुछ नहीं
1962–63	2130	
1963–64	3479	
1964–65	1409	
1965–66	1391	
1966–67	2700	
1967–68	4363	
1968–69	2435	
1969–70	4396	
1970–71	2717	
1971–72	8969	
1972–73	4885	
1973–74	2394	
1974–75	3514	

कर निर्धारण वर्ष	अदा की गई मांग (रु०)	बकाया पड़ी रकम (रु०)
(iii) श्री नाथमल गांधी		
1961–62	कोई मांग नहीं	
1962–63	15	कुछ नहीं
1963–64	308	
1964–65	711	
1965–66	321	
1966–67	1542	
1967–68	462	
1968–69	272	
1969–70	608	
1970–71	960	
1071–72	1556	
1972–73	916	
1973–74	920	920 वसूली की कार्यवाही शुरू कर दी गई है।

राजस्थान में पर्यटन केन्द्रों के विकास के लिए विशेष योजना

3328. **श्री मोठालाल पटेल** : क्या **पर्यटन और नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार राजस्थान राज्य के पर्यटन केन्द्रों पर अधिकतम संख्या में पर्यटकों को आकर्षित करने के विचार से उनके विकास के लिए विशेष योजना तैयार कर रही है; और यदि हां, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है ; और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ;

(ख) क्या भरतपुर, सवाई माधोपुर, अलवर, बीकानेर, माउंट आबू, चित्तौड़गढ़, जैसलमेर आदि नगरों का निकट भविष्य में विकास करने का विचार है, क्योंकि ये नगर ऐतिहासिक दृष्टि से और वन्य जीव शरण स्थलों के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं; यदि हां, तो वहां पर विकास कार्य कब तक प्रारम्भ किया जायेगा और इस बारे में ब्यौरा क्या है; यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

पर्यटन और नागर विमानन मंत्री (श्री पुरुषोत्तम कौशिक) : (क) और (ख). पर्यटन विभाग ने राजस्थान में पर्यटन केन्द्रों के विकास के लिए कोई विशेष योजना तैयार नहीं की है । तथापि, 31–8–77 को हुये राज्यों के पर्यटन मंत्रियों के सम्मेलन में यह निर्णय किया गया था कि छठी पंचवर्षीय योजना में केन्द्रीय और राज्य सेक्टरों में प्रारम्भ की जाने वाली योजनाओं पर विचार करने के लिए राज्य सरकारें अपने-अपने राज्यों में पर्यटन के विकास के लिए 'परस्पेक्टिव प्लान' तयार करेंगी । राजस्थान और अन्य राज्यों में विकास के लिए पर्यटन केन्द्रों का चुना जाना इस बात पर निर्भर करेगा कि छठी पंचवर्षीय योजना में पर्यटन सेक्टर के लिए कितने साधन उपलब्ध कराये जाते हैं ।